an>

Title: Need to resettle the families living in Jhuggies along the railway line in Mumbai.

श्री राहुल शेवाले (मुम्बई दक्षिण मध्य) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मुझे शून्य काल में मेरे संसदीय क्षेत्र मुम्बई साउथ सैन्ट्रल के एक महत्वपूर्ण विषय को सभा में उठाने का समय दिया।

महोदय, मुम्बई में एलफिंस्टन रोड रेलवे स्टेशन से दहिसर रेलवे स्टेशन के बीच रेलवे लाइन के दोनों ओर लगभग 1454 झुग्गी-झोपड़ियों की बस्ती बसी हुई है। ये लोग यहां पर 40-45 वर्षों से रहते आ रहे हैं। उनके अधिकतर मकान पक्के भी बनाए हुए हैं। महाराष्ट्र सरकार की ओर से यहां बसे हुए परिवारों को राशन कार्ड, वोटर आई.डी. कार्ड, आधार कार्ड, पैन कार्ड आदि भी प्रदान किये गये हैं, परन्तु रेलवे अधिकारी महीने में एक-दो बार इनके मकानों को गिरा देते हैं। इन परिवारों को अन्यत्र कहीं बसाने का कार्य रेल विभाग की ओर से नहीं किया जाता है। यहां की सारी जमीन रेलवे के अधिकार में है तो इस वजह से महाराष्ट्र सरकार एस.आर.ए. एक्ट के अन्तर्गत कुछ नहीं कर पा रही है। यहां आधारभूत सुविधाओं का अभाव भी है। यहां पर वे परिवार नारकीय जीवन-यापन कर रहे हैं। इन परिवारों को टेंट में रहना पड़ रहा है। अपनी जमा-पूंजी लगाकर जो कच्चा-पक्का मकान रहने लायक ये लोग बनाते हैं, रेलवे अधिकारी हर महीने उनको गिरा देते हैं।

मैं आपके माध्यम से रेल मंत्री से यह अनुरोध करना चाहता हूं कि इन 1454 परिवारों को अन्यत्र कहीं बसाने का इन्तजाम करना चाहिए, नहीं तो इनको राजीव गांधी आवास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना या जो महाराष्ट्र सरकार की एस.आर.ए. योजना है, उस योजना के माध्यम से इनका पुनर्वास किया जाये। हाल ही में दिल्ली में लास्ट वीक में जो डैमोलीशन हुआ, उसमें एक बच्ची की मौत हुई है, ऐसी दुर्घटना मुम्बई में नहीं होनी चाहिए, इसलिए जब तक राज्य सरकार के माध्यम से इनका पुनर्वसन नहीं होता, तब तक उनका डिमोलीशन नहीं होना चाहिए।

HON. DEPUTY-SPEAKER: Shri Arvind Sawant, Kunwar Pushpendra Singh Chandel and Shri Shrirang Appa Barne are allowed to associate with the matter raised by Shri Rahul Ramesh Shewale.